ISO 9001:2008

मसाला समाचार

भाकृअनुप- भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान
मेरिकुन्नु (पी. ओ.), कोषिक्कोड (केरल), भारत

अंक 26 खण्ड 4 (तिमाही)
अक्तूबर-दिसम्बर 2015

निदेशक की कलम से

नव वर्ष की शुभकामनाएं!

संस्थान अनुसंधान परिषद की मध्य अवधि की बैठक दिसम्बर 2015 में संपन्न हुई। हमने अनुसंधान कार्यक्रमों को लघु सूचिबद्ध किया। विषाणु बाधित काली मिर्च बागों के फरटिगेशन अनुसंधान कार्य बहुत उत्साहजनक रहा है। हमने जायफल प्रजाति आई आई एस आर केरलश्री, जो किसान भागीदारी अनुसंधान कार्य द्वारा विकसित प्रजाति है, उसके वाणिज्यीकरण के लिए तथा एम ए एच वाई सी ओ, इंडिया प्राईवेट लिमिटेड के साथ सोयाबीन, मिर्च तथा चना जैसी फसलों में बीज आवृत तकनीकी परीक्षण के लिए एम ओ यु हस्ताक्षरित किये।

श्री. वी. के. सी. मम्मद कोया, माननीय महापौर, कोषिक्कोड नगर निगम द्वारा सुभिक्षा मसाला पाउडर के लोकार्पण के साथ नव वर्ष की अच्छी शुरूआत हुई। मिर्च, हल्दी तथा धनिया के पाउडर का उत्पादन हमारी मसाला संसाधन इकाई, पेरुवण्णामुषि में शुरू किया गया। सुभिक्षा, आई टी एम - बी पी डी की एक इनकुबेटी है, जिसके अन्तर्गत स्वयं सहायक संघ की 522 महिलायें विभिन्न खाद्य उत्पादकों के विपणन में सक्रिय काम कर रही है। हमने अपनी मसाला संसाधन इकाई द्वारा मसाला पाउडर के वाणिज्यिक उत्पादन के लिए सर्वश्री अभिरुचि खाद्य उपज तथा सर्वश्री मालूस शुद्ध खाद्य मिक्स के साथ एम ओ यु हस्ताक्षरित किये।

मुझे विश्वास है कि ऐसे बहुमूल्य भागीदारी द्वारा उद्यमियों का विकास एवं युवाओं तथा महिलाओं के लिए रोज़गार का अवसर प्रदान करने में सहायक होंगे जो स्वच्छ मसाला उत्पादन, संसाधन एवं विपणन में हमारे संस्थान का नाम रोशन करेंगे। हमें मसाला संसाधकों की आवश्यकताओं को बढाने के साथ, एक स्वस्थ, प्रामाणिक एवं सैद्धांतिक संबन्ध को विकसित करने की आवश्यकता है। विस्तृत रूप से यह बता सकते हैं कि, हमारा उद्देश्य स्वच्छ संसाधन तकनीकी के वारे में किसानों को शिक्षित करना तथा उनकी आवश्यक मदद करके मसाला उत्पादनों के एक विशिष्ट ब्रान्ड को विकसित करने योग्य बनाना है। यह उत्पादन अवश्य ही साफ एवं सुरक्षित होंगे तथा भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान की विश्व व्यापक ख्याति सुनिश्चित करेंगे।

तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयम्बतोर में संपन्न हुई भारतीय मसाला समिति की सिमसाक VIII में देश के वैज्ञानिकों तथा व्यवसायियों ने भाग लिया। मुझे आशा है कि संगोष्ठी के अवसर पर हुए विचार-विमर्श कृषकों की समस्याओं का समाधान तथा आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक सिद्ध होंगे।

एम. आनन्दराज

(एम. आनन्दराज)

विषय सूची

अनुसंधान	2
पुरस्कार/सम्मान	2
प्रमुख घटनायें	3
हिन्दी अनुभाग	4
तकनीकी स्थानान्तरण	4
कृषि विज्ञान केन्द्र	5
प्रकाशन	6

अनुसंधान

जननद्रव्य संकलन

जननद्रव्य संकलन कार्यक्रम के अन्तर्गत वल्लक्कडवु तथा पेरियार टाइगर रिसर्व के गवी जंगलों के वंचिवयल तथा कोषिक्कानम क्षेत्र से 59 पाईपर, 2 अदरक, एक हल्दी तथा एक इलायची के अक्सेशनों को संचित किया। काली मिर्च का एक अक्सेशन स्टिग्मा युकत नारायकोडी के समान लेकिन उसका फल अंडाकार तथा एक वन्य अदरक (*ज़िंजीबर ओफीशनले*) भी विशिष्ट अक्सेशन है।

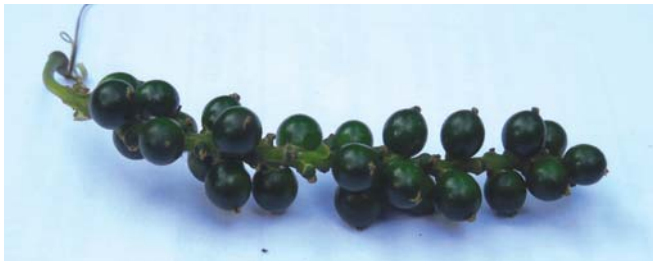

स्टिग्मा युक्त काली मिर्च अक्सेशन

रेडोबेस-बरोयिंग सूत्रकृमि पर एक डेटाबेस

एक नये डेटाबेस, रेडोबेस को विकसित किया, जिसमें *रेडोफोलस* जीनस की विभिन्न स्पीसीसों से संबन्धित जानकारी दी गयी है। इसमें रूपविज्ञान, पोषक प्राथमिकता, वर्तमान अनुक्रम डेटा तथा उनसे संबन्धित साहित्य को भी शामिल किया हैं। वर्तमान में *रेडोफोलस* की 26 स्पीसीसों का विवरण इस डेटाबेस में उपलब्ध है। मोरफो मेट्रिक तथा अनुक्रम की तुलना जैसी विशेषताओं को इस डेटाबेस में सम्मिलित किया गया है। जिसे दो या अधिक स्पीसीसों के रूपवैज्ञानिक विशेषताओं की तुलना करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। *राडोफोलस* अनुक्रम के प्रति अनुक्रम की समानता की जांच करने की सुविधा भी हैं। यह डेटा बेस http://220.227.138.213/radobase/ पर निःशुल्क उपलब्ध है।

इलायची एवं काली मिर्च के रोगों की संक्रमिकता

इलायची में *कोलेटोट्राइकम ग्लोयियोस्पोरियोयिड्स* की संक्रमिकता से स्पष्ट होता है कि कोनिडिया को अंकुरण के लिए 8-10 घण्टे तथा अप्रेसोरिया के रूपांकन के लिए 16-18 घण्टे लगते हैं। काली मिर्च के एन्थ्राक्नोज़ लक्षण के वैरियन्ट्स पर अध्ययन करने पर स्पष्ट वैरियन्ट्स के साथ आठ विभिन्न लक्षण दिखाई पड़े। उसी प्रकार इलायची के पर्ण ब्लाइट में सात वैरियन्ट्स को अंकित किया गया।

इलायची के पर्ण ब्लाइट एवं प्रकन्द गलन रोग प्रतिरोधक अक्सेशन

इलायची के 105 अक्सेशनों को पर्ण ब्लाइट तथा प्रकन्द गलन प्रतिरोधकता हेतु खेत मूल्यांकन करने पर, प्रकन्द गलन के छः उन्नत प्रतिरोधक अक्सेशनों (एफ जी बी 63, एफ जी बी 70, एफ जी बी 82, एफजी बी 83, एफ जी बी 85 तथा एफ जी बी 08) तथा पर्ण ब्लाइट का एक उन्नत प्रतिरोधक अक्सेशन (एफ जी बी 130) को अंकित किया गया।

स्पिलारक्टिया ओब्लिक्वा न्यूक्लियोपोलीहाइड्रोवाइरेस की नई स्पीसीस का चरित्रांकन

टेट्राहिड्रल आकार की न्यूक्लियोपोलीहेड्रोवाइरेस वियुक्ति दल की एक नई स्पीसीस, जो बाकुलोविरिडे कुल के *आल्फाबाकुलोवाइरेस* से संबन्धित है, अदरक, हल्दी तथा अन्य प्रमुख कृषि फसलों के एक पोलीफागस कीट *स्पिलारक्टिया ओब्लिका* बाधित है। उनको वियुक्त करके रूपवैज्ञानिक एवं आणविक अध्ययन के आधार पर चरित्रांकित किया गया। इस वियुक्ति ने एल सी $_{50}$ तथा एस टी$_{50}$ डेटा के आधार पर कीट के प्रति अधिक मारक क्षमता को अंकित किया गया।

हल्दी का संसाधन

भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान ने हल्दी संसाधन के लिए सूर्यप्रकाश द्वारा संचालित तकनीक को विकसित किया। संस्थान के प्रयोगिक प्रक्षेत्र, पेरुवण्णामुषि, कोषिक्कोड में हल्दी संसाधन के लिए एक पैराबोलिक ट्रफ कनसन्ट्रेटिंग इकाई की स्थापना की गयी। इस इकाई की क्षमता 50 कि. ग्राम हल्दी प्रति बैच हैं। प्रारंभिक परीक्षण से ज्ञात हुआ कि संपूर्ण हल्दी संसाधन में 45 मिनट का समय लगता है।

हल्दी की सूर्य प्रकाश संचालित संसाधन इकाई।

एकलिंगी जायफल

सामान्यतः जायफल वृक्ष द्विलिंगी होता है। परन्तु देश भर के जायफल उत्पादक क्षेत्रों के सर्वेक्षण में उभयलिंगी फूल तथा पुंकेसरी युक्त एकलिंगी जायफल वृक्षो को अंकित किया गया।

पुरस्कार/ सम्मान एवं मान्यतायें

प्लान्ट मोलीक्युलार बायोलोजी रिपोर्टर की कवर स्टोरी

षीजा टी. ई., दीपा के., शान्ति आर. तथा शशिकुमार बी. के शोध पत्र को स्प्रिंगर के जर्नल प्लान्ट मोलीक्युलार बायोलोजी रिपोर्टर में कवर स्टोरी के रूप में सम्मिलित किया गया (doi.org/10.1007/s11105-015-0878-6, 2015)।

राजभाषा शील्ड पुरस्कार

राजभाषा शील्ड पुरस्कार हिन्दी पत्राचार, हिन्दी कार्यशाला का आयोजन, राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें, प्रकाशनें जैसे, वार्षिक प्रतिवेदन, मसाला समाचार, अनुसंधान के मुख्य अंश, राजभाषा पत्रिका मसालों की महक, लोकप्रिय लेख तथा विस्तार

पुस्तिकाएं हिन्दी में प्रकाशित करने तथा राजभाषा कार्यान्वयन के लिए वर्ष 2014-15 के लिए सम्मानित किया गया।

उत्तम राजभाषा पत्रिका पुरस्कार

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कोषिक्कोड के 76 सदस्य कार्यालयों में से संस्थान की राजभाषा पत्रिका मसालों की महक को उत्तम राजभाषा पत्रिका पुरस्कार (प्रथम) प्राप्त हुआ। डा. एम. आनन्दराज, निदेशक पत्रिका के संरक्षक तथा डा. राशिद परवेज़, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं हिन्दी अधिकारी मुख्य संपादक थे।

एच. एस. मेहता स्मारक पुरस्कार

शरण्या बालू, सुल्फिकराली, चिन्दु एस., मुनीब ए. एम., लीला एन. के. तथा जोन ज़करिया टी. के शोध पत्र 'सिनमन एन्ड टरमरिक डोमिनेट्स इन एन्टीओक्सिडन्ट पोटनशियल एमंग मेजर स्पाइसेस' को दिनांक 16-18 दिसम्बर 2015 को तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय में संपन्न हुई सिमसाक VIII में उत्तम शोध पत्र हेतु एच. एस. मेहता स्मारक पुरस्कार प्राप्त हुआ।

आलप्पाट्टी प्रसाद राव पुरस्कार

दीपा के., षीजा टी. ई., रोसाना ओ. बी. तथा शशिकुमार बी. के शोध पत्र 'हाइली कनसर्व्ड सीक्वन्स ओफ clpks11 ईस ए नोवल जीन इनवोल्व्ड इन de novo कुरकुमिन बायोसिन्थासिस इन टरमरिक (*कुरकुमा लोंगा* एल.)' को दिनांक 16-18 दिसम्बर 2015 को तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय में संपन्न हुई सिमसाक VIII में उत्तम शोध पत्र (पोस्टर) हेतु आलप्पाट्टी प्रसाद राव पुरस्कार प्राप्त हुआ।

एम. आनन्दराज

डा. एम. आनन्दराज, निदेशक दिनांक 22-25 नवंबर 2015 को मैसूर करनाटक में संपन्न हुई अन्तर्राष्ट्रीय काली मिर्च समिति (आई पी सी) की 43 वीं वार्षिक बैठक के अध्यक्ष थे। इस बैठक में भारत, इन्डोनेशिया, वियत्नाम, ब्रज़ील, मलेशिया, श्रीलंका, कम्बोडिया, माइक्रोनेशिया, मदगास्कर, नाइजीरिया, यु ए ई, नेदरलैंड्स, चीन आदि देशों से लगभग 240 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस बैठक का उद्घाटन श्री कृष्णा बैरे गौडा, माननीय कृषि मंत्री, करनाटक सरकार ने किया। डा. एम. आनन्दराज, निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान ने इम्पेक्ट ओफ क्लाइमेट चैंज ओन ब्लेक पेप्पर प्रोडेक्शन पर अपने विचार प्रस्तुत किये।

डा. एम. आनन्दराज, निदेशक आई पी सी की 43 वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए।

आंकेगौडा एस. जे.

अध्यक्ष, तकनीकी सत्र VIII: षिमोगा में 26-27 दिसम्बर 2015 को आई जे टी ए तथा सीरियल्स पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटड, नई दिल्ली द्वारा संचालित आई जे टी ए दूसरी अन्तर्राष्ट्रीय कृषि, बागवानी तथा पादप विज्ञान सम्मेलन।

जयश्री ई., प्रसाथ डी. तथा उत्पला पार्थसारथी

भारतीय मसाला समिति, कोषिक्कोड के फैलो से सम्मानित किया गया।

सन्तोष जे. ईपन

आलोचक, वर्ल्ड जर्नल ओफ माइक्रोबायोलोजी एण्ड बायोटेकनोलोजी; जर्नल ओफ प्लान्टेशन क्रोप्स; केरला साइन्स कोंग्रस।

आकाशवाणी कार्यक्रम

नाम	विषय	दिनांक
दीप्ती ए.	शोषित फलों का मूल्य वर्धन	1 अक्तूबर 2015
षण्मुगवेल एस.	वीट्टु वलप्पिले जैव कोषि वलरत्तल	03 नवंबर 2015
जोण ज़करिया टी.	स्पाइस कल्चर अस फ्लेवर ओफ लाइफ एण्ड फूड	22 दिसम्बर 2015

प्रमुख घटनाएं

संस्थान शोध समिति की बैठक

संस्थान शोध समिति की मध्य कालीन बैठक 2-3 दिसंबर 2015 को संपन्न हुई। संस्थान के निदेशक डा. एम. आनन्दराज बैठक के अध्यक्ष थे। उन्होंने अनुसंधान परियोजनाओं की प्राथमिकता तथा तकनीकीयों के विकास पर बल दिया। फसल सुधार एवं जैवप्रौद्योगिकी, समाज विज्ञान सत्र की अध्यक्षता, डा. बी. शशिकुमार, फसल उत्पादन एवं फसलोत्तर तकनीकी की अध्यक्षता, डा. टी. जोण ज़करिया तथा फसल संरक्षण सत्र की अध्यक्षता, डा. एस. देवसहायम ने की।

मेरा गांव मेरा गौरव कार्यक्रम

काट्टिप्पारा पंचायत के दस वार्डों को, प्रत्येक में 300 किसान परिवार शामिल है, कृषि विभाग तथा स्थानीय संकाय की प्रतिनिधियों के परामर्श से चयन किया गया। इन गांवों के लिए पांच वैज्ञानिकों के दल बनाये गये। वैज्ञानिकों ने 28 अक्तूबर 2015, 24 नवंबर 2015 तथा 20 दिसंबर 2015 को तीन बार गांवों का भ्रमण किया।

मसाला एवं सुगन्धित फसलों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (सिमसाक VIII)

मसाला एवं सुगन्धित फसलों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (सिमसाक VIII) को भारतीय मसाला समिति, कोषिक्कोड तथा तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयम्बतोर ने मिलकर आयोजित किया। इसका विषय टुवर्ड्स 2050 - स्ट्रेट जीस फोर सस्टेनबिल स्पाइसेस प्रोडक्शन था। इसका आयोजन दिनांक 16-18 दिसम्बर 2015 को तमिलनाडु

कृषि विश्वविद्यालय, कोयम्बतोर, तमिलनाडु में संपन्न हुआ। डा. एन. के. कृष्ण कुमार, उप महानिदेशक (बागवानी विज्ञान), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया। डा. के. रामस्वामी, उप-कुलपति, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष थे। प्रोफेसर आर. आर. हिनचिनाल, अध्यक्ष, पी पी वी तथा एफ आर ए, नई दिल्ली भी थे। डा. एम. आनन्दराज, निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड, डा. वी. ए. पार्थसारथी, भूतपूर्व निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड, डा. जितेन्द्र कुमार, निदेशक, भाकृअनुप-डी एम ए पी आर, आनन्द, गुजरात, डा. ए. मारियप्पन, डीन (बागवानी), एच सी तथा आर आई, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयम्बतोर तथा डा. होमी चेरियान निदेशक, सुपारी व मसाला विकास निदेशालय, कोषिक्कोड ने सम्बोधित किया। इसके बाद आई एस एस पुरस्कार वितरण किये गये। इस अवसर पर संगोष्ठी की स्मारिका तथा निलावेम्बु पाउडर, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय की उत्पादन को विमोचित किया। संगोष्ठी में 250 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

डा. एन. के. कृष्ण कुमार, उप महानिदेशक (बागवानी विज्ञान), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद. नई दिल्ली दीप जलाकर संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए।

भाकृअनुप-अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना की XXVI वीं कार्यशाला

भाकृअनुप-अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना की XXVI वीं कार्यशाला दिनांक 5-7 अक्तूबर 2015 को भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड में आयोजित किया। डा. वी. ए. पार्थसारथी, भूतपूर्व निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान तथा राष्ट्रीय समन्वयक, अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता, डा. एम. आनन्दराज, निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, डा. बलराज सिंह, निदेशक, भाकृअनुप- राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केन्द्र, अजमेर, डा. होमी चेरियान निदेशक, सुपारी व मसाला विकास निदेशालय, कोषिक्कोड, डा. जितेन्द्र कुमार, निदेशक, भाकृअनुप-औषधीय पौधा अनुसंधान निदेशालय, आनन्द, गुजरात आदि कार्यशाला के उद्घाटन में उपस्थित थे।

इस अवसर पर अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना के अंतरगत विकिसत तकनिकियो पर 18 पुस्तिकाओं एवं पत्रिकाओं को विमोचित किया। आन्ध्र प्रदेश तथा तमिलनाडु में वर्षा आधारित स्थानों के लिए पांच प्रजातियों, 2 सौंफ, 2 मेथी तथा 1 धनिया प्रजाति को राष्ट्रीय / राज्य स्तर पर विमोचित करने के लिए संस्तुत किया गया। विभिन्न राज्यों के लिए सात स्थान विशिष्ट तकनीकियों को संस्तुत किया गया। कार्यशाला के छः सत्र थे। इसके अलावा, छोटी इलायची - प्रगति पर एक ब्रेन स्टोर्मिग सत्र तथा मसालों पर वैज्ञानिक - व्यवसाय पारस्परिक चर्ची भी आयोजित की गयी। मसाला तथा रोपण फसल विभाग के अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना केन्द्र एच सी तथा आर आई, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय को वर्ष 2014-15 के लिए श्रेष्ठ ए आई सी आर पी एस केन्द्र घोषित किया।

पुस्तकालय

प्रस्तुत अवधि में 91 उपभोक्ताएं पुस्तकालय की सेवाओं से लाभान्वित हुए। चार प्रकाशनों को सम्मिलित किया गया। प्रस्तुत तिमाही में विभिन्न संस्थानों से 30 वार्षिक प्रतिवेदन प्राप्त हुए। वर्ष 2016 के लिए 9 विदेशी तथा 30 भारतीय जर्नलों को मंगाया गया। CeRA के अन्तर्गत 19 संपूर्ण लेखों को प्रदान किया गया। एग्री टिट बिट्स के तीन खण्डों को प्रकाशित किया गया। सोफ्टवेर "ग्रामरली" की प्रदर्शनी आयोजित की गयी।

हिन्दी अनुभाग

प्रस्तुत तिमाही में हिन्दी सेल द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन 2014-15 तथा मसाला समाचार 26 (3) (जुलई-सितम्बर 2015) को प्रकाशित किया गया।

हिन्दी कार्यशाला

भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड में दिनांक 21 दिसम्बर 2015 को राजभाषा को लोकप्रिय करने हेतु एक हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गयी। इस अवसर पर श्री. के. वी. महीन्द्रन, प्रबन्धक (राजभाषा), भारतीय स्टेट बैंक, कोषिक्कोड ने हिन्दी टिप्पणी एवं मसौदा लेखन के बारे में व्याख्यान दिया।

तकनीकी स्थानांतरण

कृषि तकनीकी सूचना केन्द्र (एटिक)

छः सौ तिहत्तर किसानों ने अक्तूबर -दिसम्बर 2015 में एटिक से परामर्श सेवाएं (ईमेल, दूरभाष, व्यक्तिगत भ्रमण आदि द्वारा) प्राप्त कीं। इसके अलावा विभिन्न स्कूल एवं कोलेजों से 282 छात्रों ने केन्द्र का भ्रमण करके संस्थान के कार्यक्रम एवं सुविधाओं के बारे में जानकारी हासिल की। तकनीकी एवं सूचना उत्पादनो को क्रय करके कुल 3,00888 रुपये का राजस्व एकत्रित किया गया।

प्रदर्शनी में भागीदारी

स्वाश्रय भारत प्रदर्शनी में भागीदारी

भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान ने स्वाश्रय भारत 2015 की विज्ञान तथा तकनीकी प्रदर्शनी में भाग लिया। आई आई एस आर के स्टाल को प्रदर्शनी में कृषि विभाग में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह प्रदर्शनी स्वप्न नगरी प्रदर्शन मैदान, कोषिक्कोड में 15-21 अक्तूबर 2015 को संपन्न हुई।

जन सूचना अभियान में भागीदारी

संस्थान ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अन्तर्गत कार्यान्वित प्रेस सूचना ब्यूरो तथा अन्य द्वारा आयोजित जन सूचना अभियान में भाग लिया। इस अभियान को एरामला पंचायत कम्यूनिटी हाल, ओरकाटेरी, वट करा, कोषिक्कोड में 28-30 दिसम्बर 2015 को आयोजित किया गया।

जैवनियन्त्रण कारक एवं पादप संरक्षण पर प्रयोगात्मक अध्ययन कार्यक्रम

संस्थान ने कृषि कोलेज, पडन्नक्काडु, केरल कृषि विश्वविद्यालय के कृषि के स्नातक छात्रों के लिए 26-30 अक्तूबर 2015 को जैव नियन्त्रण कारक एवं पौध संरक्षण पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को आयोजित किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जैवनियन्त्रण कारक एवं उनकी पहचान, उत्पादन एवं गुणवत्ता नियन्त्रण पर था।

मसाला उत्पादन के लिए नवीन तकनीकियों पर प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

संस्थान ने उत्तर प्रदेश के किसान दलों के लिए 14-17 दिसम्बर 2015 को "मसाला उत्पादन के लिए नवीन तकनीकियों पर अन्तर-राज्य प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम" आयोजित किया। यह प्रशिक्षण उत्तर प्रदेश राज्य बागवानी सहकारी विपणन संघ (एच ओ एफ ई डी) लखनऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रायोजित था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के 16 किसान प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य मसालों की वैज्ञानिक खेती एवं आर्थिक प्राधान्य को परिचित करना था। आई आई एस आर, सुपारी व मसाला विकास निदेशालय, कृषि विज्ञान केन्द्र, कोषिक्कोड तथा एम एस स्वामीनाथन रिसर्च फाउण्डेशन, वयनाडु के कृषि जैवविविधता केन्द्र आदि के विशेषज्ञों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान दिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कीट एवं रोग की पहचान एवं उनका प्रबन्धन पर जानकारी के लिए खेत भ्रमण भी आयोजित किये गये।

आई टी एम-बी पी डी इकाई

तकनिकियो का वाणिज्यीकरण

भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान ने श्री मैथ्यु सेबास्टिन तथा श्री. एस. जे. वेणुगोपाल के साथ 11 नवंबर 2015 को जायफल की प्रजाति आई आई एस आर केरलश्री के वाणिज्यीकरण के लिए पांच साल की अवधि के लिए मेमोरान्डम ओफ अण्डरस्टेन्डिंग (एम ओ यु) हस्ताक्षर किया। हल्दी की आई आई एस आर प्रतिभा प्रजाति के लाइसेंस का नवीनीकरण किया। सोयाबीन, मिर्च तथा मटर जैसी फसलों में "बीज आवरण" तकनीकी का मूल्यांकन करने के लिए एम ए एच वाई सी ओ भारत प्राईवेट लिमिटेड के सहयोग से परीक्षण आरंभ किया।

सर्वश्री अभिरुचि खाद्य उपज तथा सर्वश्री मालूस शुद्ध खाद्य मिक्स के साथ पेरुवण्णामुषि के मसाला संसाधन सुविधा का उपयोग करने हेतु मेमोरान्डम ओफ अण्डरस्टेन्डिंग पर 4 दिसम्बर 2015 को हस्ताक्षरित किये।

सुभिक्षा मसाला पाउडर का उद्घाटन

सुभिक्षा, नारियल उत्पादक कंपनी द्वारा मसाला संसाधन इकाई, आई आई एस आर प्रक्षेत्र, पेरुवण्णामुषि में 8 दिसम्बर 2015 को मिर्च, हल्दी तथा धनिया पाउडर का निर्माण प्रारंभ किया। सुभिक्षा के अन्तर्गत 522 महिलाएं स्वयं सहायक संघ के रूप में सक्रिय रूप से विभिन्न खाद्य उपजों के विपणन में कार्य कर रही हैं तथा वे आई टी एम - बी पी डी इकाई के इन्क्युबेट में सम्मिलित थी।

सुभीक्षा मसाला चूर्ण के उत्पादन का उद्घाटन समारोह 1 जनवरी 2016 को भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान में आयोजित किया गया। इस उत्पादन को श्री वी. के. सी मम्मद कोया, माननीय महापौर, कोषिक्कोड निगम तथा डा. एम. आनन्दराज, निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड ने लोकार्पण किया। श्रीमती शालिनी, निगम सदस्य ने महापौर से प्रथम उत्पादन का ग्रहण किया। श्री एम. कुंजम्मद मास्टर, अध्यक्ष, तथा सुभिक्षा के अन्य अधिकारियों एवं पेराम्ब्रा ब्लोक पंचायत के अधिकारियों ने इस कार्यक्रम को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में केरल के चयनित प्रगामी किसानों, उपभोक्ताओं तथा आई आई एस आर के वैज्ञानिकों के अलावा सुभिक्षा की महिला प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर प्रदर्शनी एवं सुभिक्षा मसाला पाउडर का क्रय भी किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र

कृषि विज्ञान केन्द्र, पेरुवण्णामुषि में ब्रोयिलर बकरी

बोयिलर बकरी प्रविधि, के अंतरगत एक बछडे को जन्म से ही दूध छुडाया गया तथा खाद्य संकेन्द्रण एवं मिनरल्स पिंजरे में विशेष रूप से पालन करने पर तीन महीने में लगभग 15 कि. ग्राम वज़न था। भाकृअनुप- कृषि विज्ञान केन्द्र, पेरुवण्णामुषि की यह तकनीकी स्टेक होल्डेर्स के बीच लोकप्रिय हुई। अभी ब्रोयिलर इकाई में 10 बछड़े हैं।

अग्र पंक्ति प्रदर्शनी

निम्नलिखित अग्र पंक्ति प्रदर्शनियों की प्रगति हो रही है।

1. अदरक के प्रो - ट्रै प्रविधि।
2. अदरक के मृदु विगलन रोग प्रबन्धन के लिए पी जी पी आर संपुटित कैप्स्यूल का उपयोग।
3. अदरक की उन्नत उपज एवं गुणवत्ता के लिए आई आई एस आर पावर मिक्स की प्रदर्शनी।
4. खाद्य रूपांकन द्वारा स्वच्छ पानी में मच्छलियों का संवर्धन।
5. जडी-बूटी संबन्धी सौन्दर्य वस्तुओं के निर्माण के लिए कस्तूरी हल्दी (*कुरकुमा अरोमटिका*) के उपयोग पर प्रदर्शनी।
6. नारियल (दीर्घ अवधि) तंजोर म्लानी के एकीकृत प्रबन्धन पर प्रदर्शनी।
7. काली मिर्च की कोलम विधि द्वारा प्रवर्धन की प्रदर्शनी।
8. केला के लिए सूक्ष्म पोषण मिश्रण जैसे उन्नत उपज हेतु नेन्त्रन केला ए वाई ए आर का मृदा में डालने की प्रदर्शनी।
9. पशुधन के लिए गृह निर्मित वस्तुओं के संरूपण की प्रदर्शनी।

खेतीगत परीक्षण

निम्नलिखित खेती गत परीक्षण प्रगति पर है।

1. काली मिर्च (दीर्घ अवधि) की उपज पर आई आई एस आर पोषण मिश्रण की दक्षता का मूल्यांकन।
2. कलमी काली मिर्च की दक्षता का मूल्यांकन।
3. सोलानेसियस सब्जी तथा भिंडी में सफेद मक्खियों के प्रबन्धन के लिए जैविक खाद का मूल्यांकन।
4. दुधारू पशुओं में उर्वरता प्रबन्धन।
5. वन्य बोर का प्रबन्धन।
7. बैंगन प्रजातियों की दक्षता का मूल्यांकन।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

किसानों, ग्रामीण युवाओं तथा विस्तार कर्मियों के लिए कुल 33 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। कृषि विज्ञान केन्द्र ने 4 प्रदर्शनियों में भाग लिया, 57 खेत भ्रमण एवं 112 परामर्श सेवाओं में भाग लिये। प्रस्तुत अवधि में रिवोल्विंग फंड द्वारा 11,18,082 रुपये अर्जित किये।

"मधु मक्खी पालन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप-कृषि विज्ञान केन्द्र, पेरुवण्णामुषि में 5-7 अक्तूबर 2015 को जिला स्तर पर "मधु मक्खी पालन" पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। होर्टीकोरप के अन्तर्गत मधु मक्खी पालन के प्रशिक्षण केन्द्र कण्णूर ग्रामीण विकास समिति के श्री. षाजु जोसफ, श्री सेतुकुमार तथा श्री राजीवन एम. ने व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम में मधु मक्खियों की विभिन्न स्पीसीसों, मधु मक्खियों का अनुरक्षण, मधुमक्खिशाला में कीट एवं रोग प्रबन्धन, मधु मक्खी पालन में विभिन्न उपजों आदि पर व्याख्यान दिये गये।

पौध संरक्षण प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र, पेरुवण्णामुषि में 19-21 नवंबर 2015 को वी एच एस सी स्कूल छात्रों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये। डा. के. के. ऐश्वर्या, विषय विशेषज्ञ (पौध संरक्षण) ने इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का समन्वयन किया। इस कार्यक्रम में 27 भागीदारो ने भाग लिया।

मृदा स्वास्थ्य प्रबन्धन पर कार्यशाला तथा मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण

विश्व मृदा दिवस पर भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड में मृदा स्वास्थ्य प्रबन्धन पर एक कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्क्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्र - कृषक संवाद भी आयोजित किया गया। इसमें 120 मृदा स्वास्थ्य कार्ड कायण्णा, तामरश्शेरी, बालुश्शेरी गांवों के किसानों को दिया गया। इस कार्यक्रम में 125 प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया।

सफल गाथा- मशरूम का उत्पादन

श्री सतीष कुमार एक सफल मशरूम उत्पादक है, केले के अवशेषों से मशरूम खेती के लिए इस्तेमाल करते हैं। इस विधि द्वारा 1- 1.5 कि. ग्रा. मशरूम उपज (घास के उपयोग करने पर मिलने वाली 650 ग्राम की तुलना में) मिलती है। कृषि विज्ञान केन्द्र ने 500 से अधिक लोगों को प्रशिक्षण दिया जिनमें कोषिक्कोड जिले की महिलाएं तथा युवा बेरोज़गार शामिल थे।

प्रकाशन

प्रस्तुत अवधि काल में 7 शोध पत्र, 5 विस्तार पुस्तिकाएं तथा 16 लोकप्रिय लेखों को विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित किया तथा एक पुस्तक का संपादन भी किया। इसके अतिरिक्त संस्थान के वैज्ञानिकों तथा शोध छात्रों ने 21 शौध पत्रों को विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में प्रस्तुत किया।

नई नियुक्तियां

नाम	पद	दिनांक
सुश्री. शिवरंजिनी आर.	वैज्ञानिक (पादप जैवरासायनिकी)	8 अक्तूबर 2015
सुश्री नीतु ऐसक	वरिष्ठ शोध छात्र (कम्प्यूटर विज्ञान) फाइटोफ्यूरा	14 अक्तूबर 2015

स्थानान्तरण

नाम	पद	कहां से	दिनांक
सुश्री. कार्तिका एन.	तकनीशियन	भाकृअनुप-केन्द्रीय मत्स्य प्रौद्योगिकी संस्थान, कोचि	31 अक्तूबर 2015
श्री. राजीव पी.	उच्च श्रेणी लिपिक	भाकृअनुप-केन्द्रीय मत्स्य प्रौद्योगिकी संस्थान, कोचि	2 नवंबर 2015
डा. शारदाम्बाल सी.	वैज्ञानिक	भाकृअनुप-खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर	9 दिसम्बर 2015

पदोन्नति

नाम	पद	दिनांक
श्री. रथिष एच. सी.	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	16 जून 2015
श्री. प्रसन्नकुमार के. बी.	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	3 सितम्बर 2015
श्री. रवीन्द्रन एम. के.	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	27 अक्तूबर 2015

सेवानिवृत्ति

नाम	पद	दिनांक
श्री. अबूबक्कर कोया वी. के.	मुख्य तकनीकी अधिकारी	30 नवंबर 2015
श्री. कुमारन के.	तकनीकी अधिकारी	30 नवंबर 2015
श्री. कोरु एम.	सहायक कर्मचारी	30 नवंबर 2015

हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
Agri search with a human touch

मसाला समाचार

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अधीन
भाकृअनुप - भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान,
कोषिक्कोड- 673012 (केरल), भारत
दूरभाष : 0495 2731410, फेक्सः 0495 2731187

नोटः पी डी एफ संस्करण वेब साइट http://www. spices.res.in/ newsletter/ index.php पर भी उपलब्ध है।

प्रकाशक
एम. आनन्दराज
निदेशक
भाकृअनुप - भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड

संपादक
राशिद परवेज़
एन. प्रसन्नकुमारी

छाया चित्र
ए. सुधाकरन

Printed at: G K Printers, Kaloor, Cochin - 682 017. Phone : 0484 2340013. Email : gkcochin@gmail.com